भारत सरकार
वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय
उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग
लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या:1355

मंगलवार, 30 जुलाई, 2024 को उत्तर दिए जाने के लिए

भारतीय पेटेंट कार्यालय

1355. श्री वी. के. श्रीकंदनः

क्या **वाणिज्य और उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या भारतीय पेटेंट कार्यालय ने पिछले वर्ष के दौरान एक लाख से अधिक पेटेंट प्रदान किए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं;
(ख) क्या यह सच है कि यह बौद्धिक संपदा अधिकार पारिस्थितिकी तंत्र को और मजबूत करने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों से यह संभव हुआ है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या भौगोलिक संकेतक पंजीकरण में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो पिछले वर्ष की तुलना में तीन गुना वृद्धि दर्शाती है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(घ) क्या देश में 573 भौगोलिक संकेतक पंजीकृत हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री जितिन प्रसाद)

(क) और (ख): जी, हां। पेटेंट कार्यालय ने वित्त वर्ष 2023-24 में 1,03,057 पेटेंट प्रदान किए हैं। भारत में बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) इकोसिस्टम को और सुदृढ़ बनाने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए विभिन्न कदम निम्नानुसार हैं:

1. **आईटी समर्थित और उन्नत प्रौद्योगिकियों का इस्तेमाल करके आईपी कार्यालयों का आधुनिकीकरण:**

पेटेंट कार्यालय में दायर किए जाने वाले सभी दस्तावेज पूरी तरह से डिजिटलीकृत हैं तथा अंतिम रूप से निपटान हेतु सभी प्रकार की कार्यवाही के लिए ऑनलाइन उपलब्ध कराए जाते हैं। इसके परिणामस्वरूप, आवेदकों को पेटेंट और व्यापार चिह्न आवेदन दायर करने, उन पर कार्यवाही किए जाने के लिए तथा उन्हें प्रदान किए जाने/पंजीकरण प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के लिए व्यक्तिगत रूप से पेटेंट और व्यापार चिह्न कार्यालय जाने की आवश्यकता नहीं होती है।

2. **शुल्क संबंधी प्रोत्साहनः**

(क) पेटेंट आवेदनों में रियायत के कारण स्टार्टअप्स, एमएसएमई और शिक्षण संस्थाओं द्वारा दायर पेटेंट आवेदनों में काफी बढ़ोतरी हुई है, जो निम्नानुसार है:

वर्ष	स्टार्टअप्स (एसयू)		छोटे निकाय (एसई)		शिक्षण संस्थाएं (ईआई)	
	भारतीय	विदेशी	भारतीय	विदेशी	भारतीय	विदेशी
2018-19	801	10	607	75	सितंबर 2021 में शुल्क में रियायत दी गई	
2019-20	1650	2	576	272		
2020-21	1598	13	744	53		
2021-22	1482	19	985	384	7405	96
2022-23	2016	25	1329	429	19155	275
2023-24	2546	25	3421	128	23306	237

(ख) इसी प्रकार, डिजाइन आवेदनों के प्रॉसीक्यूशन के प्रत्येक चरण में स्टार्टअप तथा एमएसएमई को शुल्क में 75 प्रतिशत और व्यापार चिह्न आवेदनों की फाइलिंग के शुल्क में 50 प्रतिशत की रियायत प्रदान की गई है।

3. आईपीआर में जागरूकता और शीर्ष आईपी अचीवर्स को मान्यता एवं पुरस्कार:

देशभर के शिक्षण संस्थानों में आईपी संबंधी जागरूकता उत्पन्न करने तथा मूलभूत प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए दिसंबर 2021 में राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा जागरूकता मिशन (नीपम) शुरू किया गया था तथा इसके परिणामस्वरूप, आईपीआर के बारे में अब तक 2 मिलियन से अधिक लोगों को प्रशिक्षित किया गया है। इसके साथ ही, शीर्ष अचीवर्स को मान्यता देने और पुरस्कृत करने के लिए प्रतिवर्ष आईपी पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं तथा इनके प्रयासों के महत्व को रेखांकित करने के लिए इनमें से अनेक अचीवर्स को गणतंत्र दिवस परेड 2024 में भारत सरकार के विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था।

4. स्टार्टअप्स बौद्धिक संपदा संरक्षण (एसआईपीपी) में सहायता हेतु स्कीम

स्टार्टअप्स को पैनलबद्ध आईपी विशेषज्ञों की निशुल्क सहायता प्राप्त करने के अवसर उपलब्ध कराकर उनके आईपी अधिका रों (पेटेंट, व्यापार चिह्न और डिजाइन) की सुरक्षा में सहायता प्रदान करने के लिए वर्ष 2016 में एसआईपीपी स्कीम शुरू की गई थी तथा इसके तहत आईपी विशेषज्ञों का सहायता शुल्क सरकार द्वारा वहन किया जाता है। इस स्कीम के आने के बाद, स्टार्टअप्स द्वारा आईपी आवेदनों में काफी बढ़ोतरी हुई है। स्टार्टअप्स द्वारा आईपी फाइलिंग का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

आईपी	पिछले 6 वर्षों में फाइलिंग में बढ़ोतरी (2017-18 से 2023-24)
पेटेंट	355%
व्यापार चिह्न	543%

5. क्षमता निर्माण:

लंबित आवेदनों का निपटान करने के लिए, पेटेंट कार्यालय में विभिन्न अधिकारियों को नियंत्रक के पद पर पदोन्नति देकर पेटेंट कार्यालय में तकनीकी कार्यबल में बढ़ोत्तरी की गई है तथा इसके अलावा, नियंत्रक की निर्णयों में सहायता करने के लिए संविदा आधार पर यंग प्रोफेशनल्स और तकनीकी सहायकों को भी नियुक्त किया गया है। इसके परिणामस्वरूप, एक ही वर्ष 2023-24 में 1 लाख से अधिक पेटेंट प्रदान किए गए हैं।

(ग) : जी, हां। अपेक्षित विवरण निम्नानुसार है:

वर्ष	पंजीकृत जीआई आवेदनों की संख्या
2022-23	55
2023-24	160

(घ) : जी, हां। 23 जून, 2024 की स्थिति के अनुसार, भौगोलिक संकेतक रजिस्ट्री कार्यालय ने देश में कुल मिलाकर 643 जीआई आवेदनों को पंजीकृत किया है।

*****